प्रधान महालेखाकार कार्यालय की पत्रिका 'वातायन' के 106वें अंक का विमोचन

भुवनेश्वर, (निर्माण लेखा) : प्रधान महालेखाकार कार्यालय की अर्द्धवार्षिक हिंदी गृह पत्रिका 'वातायन' का यहां शुक्रवार अपराह्न विमोचन किया गया। प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कुलवंत सिंह ने विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए 'वातायन' के 106वें अंक का विमोचन किया। इस दौरान पत्रिका के संरक्षक एवं मार्गदशन समिति के सदस्य वरिष्ठ उप महालेखाकार(प्रशा.) श्रीराज अशोक, उप महालेखाकार (निधि) संजय कुमार, उप महालेखाकार (निर्माण लेखा) एस. मनोमणि, वरिष्ठ लेखा

अधिकारी (राजभाषा) मनोरंजन पाणिग्राही, पत्रिका की संपादक रूपा कुमारी, वरिष्ठ अनुवादक एवं राजभाषा कार्मिकों सहित कार्यालय के सभी शाखा अधिकारी उपस्थित थे। प्रधान महालेखाकार ने कार्यालय की गृह पत्रिकाओं के माध्यम से राजभाषा हिंदी में कामकाज के विकास, महत्व एवं सकारात्मक वातावरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी भाषाओं के बीच भाषाई सौहार्द को बढ़ावा देते हुए ओड़िशा की समृद्ध सभ्यता, संस्कृति, कला एवं साहित्य पर केंद्रित ओड़िया भाषा में एक आलेख को पत्रिका में स्थान देने का सुझाव दिया। साथ ही अन्य कार्यालयों से आलेख आमंत्रित करने तथा प्रभागीय लेखाकारों (डिविजनल एकांउटेंट) एवं रचनात्मकता से पूर्ण सभी कामिकों के शोधपूर्ण रचनाओं को शामिल करने का भी निदेश दिया। उन्होंने और बताया कि हिंदी में काम करना अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना है। अत: सभी कार्मिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीक की सहायता से राजभाषा हिंदी का गर्व से प्रयोग करें।